Y-182001–B

CGBOARDonline.com

विषय : हिन्दी (विशिष्ट)

CGBOARDonline.com

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कुल 26 प्रश्न हैं।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड-(अ) में 5 अंक बहुविकल्पीय, खण्ड-(ब) में 5 अंक रिक्त स्थानों की पूर्ति एवं खण्ड-(स) में 5 अंक उचित संबंध जोड़िए के लिए निर्धारित हैं। कुल 15 अंक हैं।

(*iii*) प्रश्न क्रमांक 2 से 10 में 2 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 30 शब्द है।

(*iv*) प्रश्न क्रमांक 11 से 17 में 3 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 50 शब्द है।

(*v*) प्रश्न क्रमांक 18 से 21 में 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*vi*) प्रश्न क्रमांक 22 एवं 23 में 5-5 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 100 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*vii*) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 6-6 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 125 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*viii*) प्रश्न क्रमांक 26 निबंधात्मक प्रश्न है। शब्द-सीमा 250 शब्द है तथा 8 अंक निर्धारित है।

प्रश्न-1 **(खण्ड-अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए : CGBOARDonline.com [1×5=5]

(*i*) 'कामायनी' काव्य है :

(*अ*) खण्ड काव्य

(*ब*) मुक्तक काव्य

(*स*) महाकाव्य

(*द*) प्रबन्ध काव्य

(*ii*) जहाँ उपमेय और उपमान का धर्म-सादृश्य दिखाया जाता है :

(*अ*) विभावना

(*ब*) व्यतिरेक

(*स*) विरोधाभास

(*द*) दृष्टांत

(*iii*) 'बीजक' ग्रन्थ के रचनाकार हैं :

(*अ*) कबीर

(*ब*) सूर

(*स*) तुलसी

(*द*) जायसी

(*iv*) 'छप्पय' छंद किन दो छंदों से मिलकर बनता है ?

(*अ*) रोला+उल्लाला

(*ब*) दोहा +रोला

(*स*) दोहा +उल्लाला

(*द*) रोला +सोरठा

(*v*) "मैं पाधा बन गया हूँ। करो जर्मनी के बादशाह का तर्पण!" यह कथन किसका है ?

(*अ*) वजीरा सिंह

(*ब*) बोधा सिंह

CGBOARDonline.com

(*स*) कीरत सिंह

(*द*) लहनासिंह

प्रश्न-1 (**खण्ड-ब**) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [1×5=5]

(*i*) श्रद्धा —— की पहली सीढ़ी होती है।

(*ii*) 'माथा ठनकना' का अर्थ —— होता है।

(*iii*) परमेश्वर का यह समस्त विश्व ही —— है।

(*iv*) 'नौका विहार' कविता का मूल रस —— है।

(*v*) 'जय लक्ष्मी-सी' में —— अलंकार है।

प्रश्न-1 (खण्ड-स) उचित संबंध जोड़िए : CGBOARDonline.com [1×5=5]

(क)		(ख)
(*i*) बम्बूकार्ट	–	हीनता और कमजोरी
(*ii*) 'संध्या सुन्दरी'	–	व्यक्तिगत पत्र
(*iii*) 'जैसा तुम चाहो'	–	अमृतसर
(*iv*) अनौपचारिक पत्र	–	शेक्सपीयर
(*v*) निंदा	–	छायावाद

प्रश्न-2 गाली को क्यों नहीं उलटना चाहिए? CGBOARDonline.com [2]

प्रश्न-3 निबंध के बारे में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की परिभाषा क्या है? [2]

प्रश्न-4 निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [1+1=2]

(*i*) ईद का चाँद होना

(*ii*) अंधे की लाठी

प्रश्न-5 'सूखी डाली' एकांकी के अनुसार 'बेला' दुखी क्यों है? लिखिए। [2]

प्रश्न-6 आदिवासी दीवान से क्यों नाराज थे? [2]

प्रश्न-7 'कोई काम बुरा नहीं बशर्ते कि आदमी खरा हो' से कवि का क्या अभिप्राय है? [2]

प्रश्न-8 'हृदय राज्य की रानी' से कवि का क्या अभिप्राय है? [2]

प्रश्न-9 भारतीय किसान की दशा का चित्रण 'किसान' कविता के माध्यम से कीजिए। [2]

प्रश्न-10 मनु एकांत पाकर कौतूहल से क्या सोचने लगे? [2]

प्रश्न-11 श्रद्धा और प्रेम में क्या अंतर है? (कोई तीन) [3]

प्रश्न-12 लहनासिंह ने नकली लपटन की जाँच किस प्रकार की? [3]

प्रश्न-13 'विश्व मंदिर' में कौन-कौन से महाकाव्य खुदे होंगे? [3]

प्रश्न-14 निंदा किस प्रकार कुछ लोगों के लिए पूँजी होती है? [3]

प्रश्न-15 'करुण रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [$1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$]

प्रश्न-16 'संध्या सुन्दरी' में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है। उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। (कोई तीन) CGBOARDonline.com [3]

 CGBOARDonline.com

प्रश्न-17 'कामायनी' के आशा सर्ग का केन्द्रीय भाव लिखिए। [3]

प्रश्न-18 'उसने कहा था' कहानी के नायक लहनासिंह के चरित्र की चार विशिष्टताओं को स्पष्ट रूप से समझाइए। [4]

अथवा

CGBOARDonline.com

पंत जी ने नौका-विहार की तुलना जीवन के शाश्वत क्रम से किस प्रकार की है ? पठित पाठ के आधार पर समझाइए।

प्रश्न-19 वियोगी हरि अथवा पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए : [1+2+1=4]

(*i*) रचनाएँ (कोई दो)

(*ii*) भाषा तथा शैली

(*iii*) साहित्य में स्थान

प्रश्न-20 "पेटों की आँतों में न्यूनों की पीड़ा है।" में समाज के किस वर्ग की ओर संकेत किया गया है ? समझाइए। [4]

अथवा

मानसर की इच्छा क्या थी ? इच्छा पूरी होने पर क्या हुआ ? समझाइए।

प्रश्न-21 सुमित्रानंदन पंत अथवा मलिक मुहम्मद जायसी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए : [$1+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=4$]

(*i*) रचनाएँ (कोई दो)

CGBOARDonline.com

(*ii*) भावपक्ष - कोई तीन विशेषताएँ

(*iii*) कलापक्ष - कोई तीन विशेषताएँ

CGBOARDonline.com

प्रश्न-22 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए : [1+1+1+2=5]

हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी काम दे सकती है, उसी तरह अपने मनोभावों को व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय उपयुक्त है। असली वस्तु है हैट, खूँटी नहीं। इसी तरह मन के भाव ही तो यथार्थ वस्तु हैं, विषय नहीं।

CGBOARDonline.com

अथवा

भक्ति का स्थान मानव हृदय है वहीं श्रद्धा और प्रेम के संयोग से उसका प्रादुर्भाव होता है। अत: मनुष्य की श्रद्धा के जो विषय ऊपर कहे जा चुके हैं, उन्हीं को परमात्मा में अत्यन्त विशद् रूप में दिखाकर ही उसका मन खिंचता है और वह उस विशद् रूप विशिष्ट का सामीप्य चाहता है।

प्रश्न-23 निम्न पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए : [1+1+1+2=5]

सिंधु सेज पर धरा वधू अब,
तनिक संकुचित बैठी सी।
प्रलय निशा की हलचल स्मृति में,
मान किए सी ऐंठी सी।

अथवा

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा।
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा॥
था पथ सहज अतीव, सम्मिलित हो समग्र सुख पाना।
केवल अपने लिए नहीं कोई सुख भाग चुराना॥

प्रश्न-24 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : CGBOARDonline.com $[1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=6]$

"प्रत्येक क्रियाशीलता आचरण नहीं कहलाती। उठना, बैठना, भोजन करना आदि क्रियाएँ आचरण नहीं हैं। वास्तव में वह क्रियाशीलता आचरण कहलाती है जिसका संबंध दूसरे व्यक्ति से होता है। यदि किसी क्रिया से दूसरा व्यक्ति अनुकूल या प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है तो वह क्रिया आचरण बन जाएगी।

CGBOARDonline.com

जैसे किसी व्यक्ति की दुखद अवस्था पर यदि कोई हँसता है तो वह हँसना आचरण बन जाएगा। वैसे सामान्य रूप से हँसना केवल एक क्रिया है। यदि समस्त क्रियाओं को आचरण माना जाय तो पशु और प्रकृति के कार्यों को भी आचरण का विषय मानना होगा और इस प्रकार एक अव्यवस्था हो जाएगी। इसलिए आचरण का संबंध मूलत: मनुष्य से ही है क्योंकि वह आत्मचेतन होकर कार्य करता है।''

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) आचरण किस क्रिया को कहते हैं ?

(*iii*) समस्त क्रियाओं को आचरण क्यों नहीं कहा जा सकता ?

(*iv*) आचरण का संबंध मनुष्य से ही क्यों है ?

(*v*) गद्यांश का सारांश लिखिए।

अथवा

''महानगरों में जो सभ्यता फैली है, वह छिछली और हृदयहीन है। लोगों के पारस्परिक मिलन के अवसर तो बहुत हो गए हैं; मगर इस मिलन में हार्दिकता नहीं होती, मानवीय संबंधों में घनिष्ठता नही आ पाती। दफ्तरों, ट्रामों, बसों, रेलों, सिनेमाघरों, सभाओं और कारखानों में आदमी हर समय भीड़ में रहता है, मगर इस भीड़ के बीच वह अकेला होता है। मनुष्य के लिए मनुष्यत्व के भीतर पहले जो माया, ममता और सहानुभूति के भाव थे, वे अब लापता होते जा रहे हैं। देशों की पारस्परिक दूरी घट गई है, लेकिन आदमी और आदमी के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।''

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। CGBOARDonline.com

(*ii*) महानगरों की सभ्यता को हृदयहीन क्यों कहा गया है ?

(*iii*) महानगरों की भीड़ में मानव अकेला क्यों है ?

(*iv*) ''देशों की पारस्परिक दूरी घट गई है, लेकिन आदमी और आदमी के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।'' इस दूरी की वृद्धि के कारणों का उल्लेख कीजिए।

(*v*) हार्दिकता होने का क्या आशय है ?

प्रश्न-25 आप सार्थक शर्मा, कक्षा 12वीं, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, राजिम में अध्ययनरत हैं। अपने प्राचार्य को शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए। $[1\frac{1}{2}+3+1\frac{1}{2}=6]$

CGBOARDonline.com *अथवा*

छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए कि वह पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य के नियमों का भी नियमित रूप से पालन करे।

प्रश्न-26 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : [2+4+2=8]

(*i*) एक कदम स्वच्छता की ओर

(*ii*) साहित्य और समाज

(*iii*) वन रहेंगे, हम रहेंगे

(*iv*) पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण

(*v*) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप

CGBOARDonline.com

.....